

INHALT

| | |
|---|-----|
| Vorwort | 6 |
| 100 Jahre Forschung | 8 |
| Im Schlepptau von Gotik und Manierismus | 12 |
| Der Neubeginn | 28 |
| Die Hauptmeister und ihr Umkreis | 62 |
| Werkstattbetrieb | 112 |
| Überkommene Bildthemen und ihre Neubelebung | 126 |
| Volkstümlicher Barock | 144 |
| Theatrum sacrum | 160 |
| Wende und Ausklang | 180 |
| Zusammenfassung | 192 |
| | |
| MEISTERVERZEICHNIS MIT WERKKATALOG | 211 |
| Geisler, Niklaus | 213 |
| Hartmann, Michael | 226 |
| Hermann, Niklaus | 245 |
| Morell, Heinrich | 253 |
| Räber, Hans Ulrich | 254 |
| Roth, Kaspar | 270 |
| Schürmann, Hans | 281 |
| Tüfel, Hans Wilhelm | 282 |
| Tüfel, Kaspar | 303 |
| Wüest, Hans Viktor | 309 |
| | |
| ANHANG | 312 |
| Abkürzungen | 313 |
| Literaturverzeichnis | 315 |
| Register | 320 |
| Abbildungsnachweis | 331 |